भजन

रह न सकें पिया रूहें बिन आपके
रह न सकें पिया रूहें दूर आपसे
तन हैं रूहें पिया तन आपके
रह न...

1– बैठी तेरे चरणों में,कहने को ही दूरी है
हुकम इलम से आशा रूह की,आशा रूह की पूरी है
खेल दिखाया और नजर से तुमने किया है ये परदा

2– पिया जी पहले दिल अपने ही तुमने लिया है
इश्क और साहेबी का खेल ये,खेल पिया दिखाया है
खेल दिखा के रूहों को भुलाया,अपने इलम से आप जगाया

3– ब्रज रास में इश्क अपना,इश्क अपना दिखाया है
अक्षरब्रह्म के चित में चित में चढ़ाया है
लीला तुम्हारी देखी पिया जी,जो उपजाई दिल अक्षर के